बहस सुनी गई। पत्रावली वास्ते आदेश पेश हो

05/01/23 पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित। बहस पर मनन किया गया। पत्रावली, पत्रावली पर उपस्थित दस्तावेज व न्याय के सुसंगत प्रावधानों का अवलोकन किया गया। प्रा॰पत्र अंतर्गत धारा 251-क, राज॰का॰अधि॰, 1955 साबित ना होने पर खारिज किया जाता है। विस्तृत निर्णय पृथक से टंकित करवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार हो नंबर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Jayant Kumar
Date: 2023.09.26 11:59:55 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with OKEN Scanner